

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

फोन:- 2200660 फैंक्स : 0151-2527371 वर्ष: 47 संख्या: 244 प्रभात बीकानेर, सोमवार 30 मार्च, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सऊदी अरब एयरबेस पर हमला, अमेरिकी वायुसेना का अत्याधुनिक विमान नष्ट

ईरान ने इस हमले में 6 बैलिस्टिक मिसाइल व 29 हथियारों से लैस ड्रोन का उपयोग किया

तेहरान, 29 मार्च। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अब पांचवें सप्ताह में पहुंच गया है। रविवार को सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर ईरान की तरफ से किए गए मिसाइल और ड्रोन के बड़े हमले में अमेरिकी वायुसेना का अत्याधुनिक ई-3 ए.इब्ल्यू.एसी.एस. जासूसी विमान अर्वाकस पूरी तरह नष्ट हो गया। आईआरजीसी ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसने अमेरिका के ईंधन भरने और हवाई सहायता बेड़े को निशाना बनाया, जिसमें कई बड़े सैन्य विमान नष्ट या क्षतिग्रस्त हुए। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार संस्था तसनीम न्यूज एजेंसी ने इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के हवाले से यह जानकारी दी।

विश्लेषण में सामने आया है कि हमला बेहद सटीक था और विमान

- विशेषज्ञों के अनुसार, हमला बेहद सटीक था और विमान के सबसे अहम हिस्से, रडार को निशाना बनाया गया। यह भाग विमान की मुख्य ऑपरेशनल क्षमता का केन्द्र है।

के सबसे अहम हिस्से रडार डोम को निशाना बनाया गया। यह वही भाग होता है जिसमें एएन/एपीवाई-2 सर्विलांस रडार सिस्टम लगा होता है, जो विमान की मुख्य ऑपरेशनल क्षमता का केंद्र है। तस्वीरों में विमान के पिछले हिस्से में भारी संरचनात्मक क्षति देखी गई है। यह विमान हाल ही में ‘ऑपरेशन एपिक फ़्यूरी’ के तहत इस बेस पर तैनात किया गया था और अमेरिकी वायुसेना की 5५२वीं एयर कंट्रोल विंग का हिस्सा था। इस घटना के बाद अमेरिकी -३ बेड़े में विमानों की संख्या 1६ से घटकर 1५ रह गई है।

अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में छह बैलिस्टिक मिसाइलों और २९ हथियारों से लैस ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इस हमले में कम से कम 1५ अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

आईआरजीसी ने आगे कहा कि जिस विमान को निशाना बनाया गया वह पूरी तरह से नष्ट हो गया और पास में खड़े अन्य विमानों को भी काफी नुकसान पहुंचा।

हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकोम) ने अभी तक हमले के पूरे विवरण की आधिकारिक

पुष्टि नहीं की है लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, ई-3जी सेंट्री अवाक्स विमान अमेरिकी वायु सेना का एक महत्वपूर्ण हवाई चेतावनी और युद्ध प्रबंधन प्लेटफॉर्म है, जो २5० मील से अधिक दूरी तक निगरानी करने में सक्षम होता है। इसके नष्ट होने से क्षेत्र में अमेरिकी हवाई निगरानी और कमान क्षमता पर बड़ा असर पड़ सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त रूप से २८ फरवरी को हमला किया था जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के साथ ही कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में, ईरान ने कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को मिसाइलों और ड्रोन की लहरों से निशाना बनाया, जिससे व्यापक क्षति पहुंची है।

अमेरिका के सभी ५० राज्यों में ट्रंप के खिलाफ रैलियां निकलीं

वाशिंगटन डीसी, २९ मार्च। ईरान युद्ध और राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की कार्रवाइयों के विरोध में शनिवार को अमेरिका के सभी ५० राज्यों और यूरोप के कई हिस्सों में “नो किंग्स” रैलियों में भारी भीड़ सड़कों पर उतर आई। बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, लोग

- “नो किंग्स” रैली में ८० लाख से अधिक लोगों ने ईरान युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कई मुद्दों पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए इकट्ठा हुए। ‘नो किंग्स रैली’ में ८० लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी ५० राज्यों में ३,३०० से ज्यादा स्थानों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले ‘नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब १० लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग ६०० ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूएई व बहरीन में दो बड़ी फैक्ट्रियों को ईरान ने निशाना बनाया

ये दोनों फैक्ट्री अमेरिकी सैन्य व एयरोस्पेस उद्योग के लिए महत्वपूर्ण उत्पादन करती थीं

तेहरान, २९ मार्च। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने फारस की खाड़ी स्थित संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेरिकी सैन्य और एयरोस्पेस उद्योगों से जुड़ी दो औद्योगिक फैक्ट्रियों को निशाना बनाया।

केन्द्र सरकार ने केरोसिन की सप्लाई में भी ठील दी

नई दिल्ली, २९ मार्च। होर्मुज संकट और वैश्विक तनाव के बीच भारत सरकार ने आम लोगों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। रॉयटर्स की जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ने केरोसिन यानी मिट्टी के तेल

- ऊर्जा संकट के बीच इस कदम से आम आदमी को राहत मिलेगी।

की सप्लाई आसान बनाने के लिए नियमों में ढील दी है। इसका मकसद है कि जिन इलाकों में गैस या बिजली की कमी है, वहां लोगों को खाना बनाने और रोशनी के लिए तुरंत केरोसिन मिल सके। सरकार ने साफ किया है कि पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंस से जुड़े कुछ नियमों को अस्थायी तौर पर आसान किया गया है। इससे २१ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जरूरत के हिसाब से केरोसिन की सप्लाई की जा सकेगी।

सरकार का कहना है कि इस कदम से आम लोगों को सीधा फायदा होगा। खासकर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में जहां अभी भी लोग केरोसिन पर निर्भर हैं। सरकार ने कहा कि जरूरत पड़ने पर तुरंत केरोसिन उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि किसी को खाना बनाने या रोशनी के लिए परेशानी न हो। यह फैसला अस्थायी है, लेकिन हालात सामान्य होने तक इसे जारी रखा जाएगा।

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर, २९ मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में स्टेनोग्राफर एंड पर्सनल असिस्टेंट ग्रेड-२ भर्ती के दूसरे फेज के दौरान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा अभ्यर्थियों को गलतियों में ५ प्रतिशत की अतिरिक्त राहत देने के फैसले को चुनौती दी गई। सचिवालय के लिए ४४४ पदों की इस भर्ती की विज्ञप्ति २६ फरवरी २०२४ को जारी हुई थी, जिसकी मैरिट लिस्ट २५ सितंबर २०२५ को जारी की गई थी।
अदालत ने इस भर्ती को लेकर दायर की गई ४० याचिकाओं को एक साथ सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता संदीप पाठक ने अदालत को

बताया कि, इस भर्ती की चयन प्रक्रिया को दो भागों में बांटा गया था। प्रथम चरण में कई तरह के लिखित परीक्षाएं थी, जबकि दूसरे चरण में स्टेनोग्राफी टेस्ट था। प्रथम चरण में हर अभ्यर्थी को ४० प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करना था, तभी वह दूसरे चरण के लिए पात्र माना जाएगा।
उन्होंने आगे बताया कि, प्रथम चरण की परीक्षाएं ५ अक्टूबर २०२४ को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम २३ दिसंबर को जारी किया गया था। दूसरे चरण में स्टेनोग्राफी टेस्ट के बाद मैरिट सूची २५ सितंबर २०२५ को जारी की गई थी, जिसमें ९०४ अभ्यर्थियों को पात्र माना गया। याचिकाकर्ताओं का कहना है

- अदालत ने सवाल उठाया कि, जब ५ प्रतिशत की अतिरिक्त राहत दिए बिना भी ६४३ अभ्यर्थी पात्र थे, फिर इनमें से ४४४ पद क्यों नहीं भरे गए?
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ९०४ अभ्यर्थियों ने मैरिट लिस्ट में स्थान पाया है, कर्मचारी चयन बोर्ड ने ५ प्रतिशत की अतिरिक्त राहत गैरकानूनी तरीके से दी है।

कि, कर्मचारी चयन बोर्ड और राज्य सरकार ने गैरकानूनी ढंग से अभ्यर्थियों को फेज-२ में २० प्रतिशत से बढ़ाकर २५ प्रतिशत अतिरिक्त गलतियों व त्रुटियों पर राहत दी, जबकि नियमानुसार गलतियों में राहत केवल सामान्य वर्ग में

अमेरिका के साढ़े तीन हजार मरीन मध्य पूर्व पहुंचे

वाशिंगटन, २९ मार्च। अमेरिका के ३५०० अतिरिक्त सैनिक मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार इन सैनिकों को यूएसएस टिफली जहाज से भेजा गया है। सभी सैनिक ३१वीं मरीन एक्सपेंडिशनरी यूनिट का हिस्सा हैं। उनके साथ बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान और हथियार भी भेजे गए हैं। अमेरिका ने ईरान पर जमीनी सैन्य अभियान शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है।

चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक यूएस सेंट्रल कमांड

- माना जा रहा है कि अमेरिका का यह कदम जमीनी सैन्य अभियान की तैयारी का हिस्सा है।

ने शनिवार को घोषणा की कि ३,५०० मरीन और नाविकों का टास्क फोर्स शुक्रवार को मध्य पूर्व पहुंच गया है। कमांड ने एक्स पर संक्षिप्त पोस्ट में कहा, "यूएसएस त्रिपोली (एलएचए ७) पर सवार यूएस नाविक और मरीन २७ मार्च को कमांड के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में पहुंच गए।" पोस्ट में बताया गया कि इन सैनिकों के पास परिवहन, स्ट्राइक फाइटर विमान और एम्फीबियस असॉल्ट व टैक्टिकल संसाधन भी मौजूद हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन के हमलों ने रूस का तेल निर्यात ४० प्रतिशत गिराया

रूस के उस्त-लूगा बंदरगाह का एक तेल लोडिंग पियर ड्रोन हमलों में पूरी तरह नष्ट हो गया

मॉस्को/कीव, २९ मार्च। यूक्रेन द्वारा लगातार किए जा रहे ड्रोन हमलों ने रूस के तेल निर्यात ढांचे को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन के ड्रोन हमले तथा एक प्रमुख पाइपलाइन पर हमला और टैंकों को ज्वल किए जाने के बाद रूस की तेल निर्यात क्षमता का कम से कम ४० फीसदी हिस्सा ठप पड़ गया है। रूस के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र उस्त-लूगा बंदरगाह पर हुए ड्रोन हमले में कम से कम एक तेल लोडिंग पियर पूरी तरह नष्ट हो गया है, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुआ है।

सेटेलाइट तस्वीरों के आधार पर आई रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी व अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों के रिसाव के कारण लगी आग और हमले में न केवल बर्थ बल्कि कई स्टोरेज टैंक और तकनीकी ढांचे भी प्रभावित हुए हैं। इससे पहले, २३ मार्च की रात को यूक्रेन ने रूस के बड़े तेल बंदरगाह प्रिमोर्स्क पर हमला किया था,

अमेरिका ने विदेशी प्रोफेशनल्स के न्यूनतम वेतन में भारी वृद्धि की

इससे विदेशी प्रोफेशनल्स को अमेरिका में नौकरी देना कंपनियों के लिए महंगा हो जाएगा तथा शायद अमेरिकी नागरिकों को ये नौकरियाँ मिल जाए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, २९ मार्च। ट्रम्प प्रशासन का एच-१ वीजा नियमों को कड़ा करने का नया कदम, जिसमें न्यूनतम वेतन सीमा में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है, अमेरिका की उच्च कौशल वाले प्रवासियों के प्रति नीति में बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव दर्शाता है। “सस्ते विदेशी श्रम” के उपयोग पर रोक लगाने और अमेरिकी कर्मचारियों को प्राथमिकता देने के प्रयास के रूप में पेश किए गए इस प्रस्ताव के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, खासकर उन भारतीय पेशेवरों के लिए जो एच-१ भी व्यवस्था में बड़ी संख्या में शामिल हैं।

इस प्रस्ताव का मुख्य बिंदु यह है कि नियोक्ताओं (एम्प्लॉयर्स) को एच-१ बी वीजा धारकों को दिए जाने वाले वेतन में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वेतन की न्यूनतम सीमा बढ़ाकर सरकार कंपनियों के लिए विदेशी कर्मचारियों को रखने को महंगा बनाना चाहती है, ताकि वे घरेलू कर्मचारियों को

- इस नई नीति का सबसे ज्यादा असर भारतीय मूल के इंजीनियर, आई.टी. वर्कर्स पर पड़ेगा, क्योंकि एच-१बी वीजा के मार्फत अमेरिका में लगभग २.८ लाख भारतीय काम कर रहे हैं। पर, अब भारतीय इंजीनियर्स आदि का अमेरिका में काम करने का रास्ता और सड़का हो जाएगा।

- इसका भारत को एक लाभ तो है कि अब ये प्रोफेशनल्स, भारत लौटने को मजबूर हो जाएंगे तथा भारत के लोकल “टैलेंट पूल” को मजबूती मिलेगी तथा स्टार्टअप, वित्तीय टेक्नॉलजी व डिजिटल सर्विसेज सेंक्टर को लाभ पहुंचेगा।

- पर, दूसरी ओर एक तत्कालिक नुकसान भी है। भारतीय प्रोफेशनल्स द्वारा, भारत को भेजे जा रहे “रैमिटेस” (वेतन आदि) में काफी कमी आएगी, क्योंकि नौकरी जाने के बाद काफी भारतीय प्रोफेशनल्स भारत लौटने को होंगे।

प्राथमिकता दें। सिद्धांत रूप में यह ट्रम्प काल की संरक्षणवादी नीतियों के अनुरूप है। हालांकि, व्यवहार में यह कदम उस संतुलित वैश्विक प्रतिष्ठा के व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है। तेल उत्पादन उसके राष्ट्रीय बजट में कमाई के मुख्य स्रोतों में है। इस समय जब तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है, रूस को बहुत हानि हो रही है।

जिसमें भीषण आग लग गई थी। इस आग में कई बर्थ और दो टैंकर चपेट में आ गए थे। इसके बाद २५ मार्च और फिर २७ मार्च की रात को यूक्रेनी ड्रनों ने उस्त-लूगा और प्रिमोर्स्क बंदरगाहों को दोबारा निशाना बनाया। ये दोनों बंदरगाह बाल्टिक सागर क्षेत्र में रूस के सबसे अहम तेल निर्यात केंद्र माने जाते हैं।

यह शटडाउन रूस के तेल सप्लाई में अब तक की सबसे बड़ी रुकावट है। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल एक्सपोर्टर है और यह रुकावट मॉस्को के लिए ठीक ऐसे समय पर आई है जब ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतें १०० प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। रूस का तेल उत्पादन राष्ट्रीय बजट के लिए कमाई के मुख्य स्रोतों में से एक है

इस महीने यूक्रेन ने रूस के तेल और ईंधन एक्सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर ड्रोन हमलों को तेज कर दिया है। इन हमलों में रूस के तीन मुख्य पश्चिमी तेल एक्सपोर्ट पोर्ट्स को निशाना बनाया गया, जिनमें ब्लैक सी पर नोवोरोसिस्क, और बाल्टिक सी पर प्रिमोर्स्क और उस्त-लूगा शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में ५ लाख का ईनामी नक्सली कमांडर मारा गया

सुकमा, २९ मार्च। सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में रविवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में ५ लाख का इनामी नक्सली कमांडर मारा गया है।

सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट

- सुकमा के जंगलों में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में पुलिस को यह सफलता मिली।

रिजर्व गार्ड) की टीम ने सर्व ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में जवानों और नक्सलियों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों में बर्फ गिरी

शिमला, २९ मार्च। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताज़ा बर्फबारी और राज्यभर में रविवार को हुई व्यापक बारिश ने जनजीवन को बड़-बड़-गई है। लाहौल-स्पीति जिला

- बर्फ और बरसात ने सड़कों पर फिसलन बढ़ाई, रोहतांग दर्रा आंशिक रूप से बंद।

प्रशासन ने यात्रियों को फिसलन भरी सड़कों पर सावधानी से वाहन चलाने की सलाह जारी की है। जिला आपात रिपोर्ट के अनुसार कई ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो गए हैं। रोहतांग दर्रा और कुंजुम दर्रा सहित प्रमुख मार्गों पर आवाजाही ठप है। रोहतांग मार्ग के आंशिक रूप से बंद होने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

लोक संस्कृति बनाम बाज़ार: क्या राजस्थान अपनी आत्मा खो रहा है?

जैसे सलमेर की सुनहरी रेत पर ढलती शाम में पारंपरिक वेशभूषा में सज्जित एक लोक कलाकार 'केसरिया बालम' गा रहा है। सामने देशी-विदेशी पर्यटकों की भीड़ है, कैमरे हैं, मोबाइल हैं, तालियाँ हैं—सब कुछ है। जो नहीं है, वह है वह आत्मीयता, वह सामुदायिक स्पंदन, जिसमें यह गीत कभी जन्मा था। जो कभी जीवन की लय था, वह आज 'इवेंट' बन गया है; जो कभी लोक का स्वाभाविक विस्तार था, वह अब बाज़ार का सुनियोजित प्रदर्शन है। सवाल यह है कि क्या हम राजस्थान की लोक संस्कृति को बचा रहे हैं, या उसे एक आकर्षक 'प्रोडक्ट' में बदलकर उसकी आत्मा को धीरे-धीरे समाप्त कर रहे हैं?

लोक संस्कृति की असली ताकत उसकी स्वाभाविकता में होती है। यह किसी मंच या प्रायोजक की मोहताज नहीं होती; यह खेत-खलिहान, आंगन-चौपाल, मेलों-त्योहारों में सांस लेती है। लेकिन जैसे-जैसे पर्यटन उद्योग ने राजस्थान को एक 'डिस्टिनेशन' के रूप में पक़ेज किया, वैसे-वैसे लोक संस्कृति भी 'क्यूरेटेड एक्सपीरियंस' में बदलती चली गई। अब लोक नृत्य समय की पाबंदी में बंधा है—पांच से दस मिनट का 'शो'; गीतों के बोल और धुनें इस तरह तराशी जाती हैं कि वे दर्शकों को तुरंत लुभा सकें; पारंपरिक वाद्ययंत्रों की जगह इलेक्ट्रॉनिक साउंड ने ले ली है। यह सब इसलिए कि बाज़ार को 'तुरंत असर' चाहिए, 'धीरे-धीरे खुलने वाली' संवेदना नहीं।

उदाहरण हमारे सामने हैं। कभी मांगणिया और लंगा समुदायों के कलाकार अपने पारंपरिक संरक्षकों—स्थानीय जमींदारों और समुदायों के लिए गाते थे। उनके गीतों में पीढ़ियों की स्मृतियाँ, रिश्तों की गर्माहट और स्थानीय इतिहास का जीवंत दस्तावेज़ होता था। आज वही कलाकार बड़े-बड़े होटलों और 'डेजर्ट सफारी' पैकेज का हिस्सा हैं। वे गा तो रहे हैं, लेकिन अब उनका गागा 'समय-सीमा' और 'दर्शक की पसंद' से संचालित है। 'पधारो म्हारे देश' अब आतिथ्य का आत्मीय निमंत्रण नहीं, बल्कि पर्यटन का ब्रांड-स्लोगान बन गया है। 'नीबूड़ा' का मूल स्वरूप भुलाया जा चुका है और हर कोई उसका वही रूप प्रस्तुत करता है जो 'हम दिल दे चुके सनम' में पेश किया गया था।

इसी तरह कालबेलिया नृत्य को देखिए। यह नृत्य एक विशिष्ट समुदाय की जीवनशैली, उनकी गतिशीलता और प्रकृति से उनके संबंध का प्रतीक था। आज यह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत होता है—यह गर्व की बात हो सकती है—लेकिन इसके साथ ही इसमें 'दृश्यात्मक आकर्षण' बढ़ाने के लिए ऐसे तत्व जोड़े गए हैं, जो मूल परंपरा का हिस्सा नहीं थे। वेशभूषा अधिक चमकौली, मुद्राएँ अधिक नाटकीय, और प्रस्तुति अधिक 'दर्शनीय' बना दी गई है। क्या यह विकास है, या मूल स्वरूप की कीमत पर हासिल किया गया विस्तर?

हस्तशिल्प का हाल भी इससे अलग नहीं। बाड़मेर और जैसलमेर के कारीगरों की कढ़ाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, और नीली मिट्टी की कला कभी स्थानीय जरूरतों और सौंदर्यबोध से जुड़ी थी। आज वही कला 'स्मूति-चिह्न' (souvenir) बनकर बिक रही है। डिज़ाइन इस तरह बदले जा रहे हैं कि वे विदेशी ग्राहकों को अधिक आकर्षित करें। रंग, पैटर्न और आकार—सब कुछ बाज़ार की मांग के अनुसार ढल रहा है। इससे कारीगरों की आय बढ़ी है—यह एक सकारात्मक पहलू है—लेकिन क्या इस प्रक्रिया में उनकी परंपरा की मौलिकता सुरक्षित रह पाई है?

ऐसा ही कुछ भोजन के साथ भी हुआ है। दाल-बाटी अब राजस्थान की सीमाओं को लांघ कर राष्ट्रीय व्यंजन बन चुका है। यह अच्छी बात है। हमने भी तो अन्य अनेक प्रांतों के व्यंजनों को खुले मन से स्वीकार किया है। लेकिन चिंता इस बात की की जानी चाहिए कि राजस्थान के पारंपरिक व्यंजन अपना मूल स्वरूप बनाए रखें। बेशक प्रयोग हों, पर्यूनन भी हो, नवाचार भी हो, लेकिन

बाज़ार के समर्थक यह तर्क देते हैं कि अगर पर्यटन और व्यवसायी करण न होता, तो ये लोक कलाएँ कब की विलुप्त हो चुकी होतीं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं है। सच यह है कि बाज़ार ने इन कलाओं को एक नया जीवन दिया है, कलाकारों को आर्थिक संबल दिया है, और उन्हें वैश्विक मंच तक पहुँचाया है। लेकिन यह आधा सच है। दूसरा आधा सच यह है कि इस प्रक्रिया में लोक संस्कृति का 'संदर्भ' (context) विलुप्त होता जा रहा है। जब कला अपने सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से कट जाती है, तो वह केवल 'प्रदर्शन' बनकर रह जाती है—एक ऐसी वस्तु, जिसे देखा और सराहा तो जा सकता है, लेकिन महसूस नहीं किया जा सकता।

सरकार और नीतियों की भूमिका भी यहाँ सवालों के घेरे में है। 'हेरिटेज' और 'कल्चरल टूरिज्म' के नाम पर बड़े-बड़े उत्सव और महोत्सव आयोजित किए जाते हैं—जैसे मरु महोत्सव, पुष्कर मेला आदि। ये आयोजन निश्चित रूप से ध्यान आकर्षित करते हैं, लेकिन क्या ये दीर्घकालिक संरक्षण का विकल्प हैं? क्या कलाकारों को साल भर स्थायी मौसम, प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा मिलती है? क्या इन उत्सवों में राजस्थान की लोक संस्कृति को समुचित महत्त्व मिलता है? देखने में तो यह आता है कि सारे ही उत्सवों में भीड़ खींचने के लिए मुम्बई और बॉलीवुड से कलाकार आयात किए जाते हैं। अपने कलाकार को केवल 'सौजनल डिमांड' के आधार पर याद किए जाते हैं? यह भी कि क्या इन सरकारी समारोहों में कलाकारों को वही सम्मान और महत्व वास्तव में मिलता है जिसके वे पात्र हैं? जब संस्कृति को केवल 'इवेंट' में समेट दिया जाता है, तो वह जीवन के प्रवाह से कटकर एक 'प्रदर्शनी' बन जाती है।

यह संकट केवल कला का नहीं, पहचान का भी है। जब राजस्थान की छवि को 'डेजर्ट सफारी ट लोक नृत्य शो ट ऊँट की सवारी' तक सीमित कर दिया जाता है, तो एक जटिल और बहुआयामी संस्कृति को एक सरल, उपभोक्तावादी चित्र में बदल दिया जाता है। यह 'इमेज' बिकाऊ है, लेकिन यह 'पहचान' नहीं है। पहचान वह होती है, जो भीतर से बनती है; इमेज वह होती है, जो बाहर से गढ़ी जाती है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नई पीढ़ी इसी 'बाज़ारीकृत' रूप को ही असली समझने लगी है। गाँवों में भी अब पारंपरिक गीतों और नृत्यों की जगह फिल्मी या पर्यूनन रूप अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। जब परंपरा की जड़ें ही कमजोर हो जाएँगी, तो ऊपर का चमकौला ढांचा कितने दिन टिकेगा?

तो क्या समाधान है? क्या बाज़ार से पूरी तरह मुंह मोड़ लिया जाए? शायद नहीं। आज के समय में यह न तो संभव है, न ही व्यावहारिक। लेकिन यह जरूर जरूरी है कि बाज़ार की ही अंतिम निर्णायक न बनने दिया जाए। लोक संस्कृति का संरक्षण केवल 'हिमांड और सपनाई' का मामला नहीं हो सकता; यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए समुदायों को केंद्र में रखना होगा, कलाकारों को केवल 'परफॉर्मर' नहीं, 'परंपरा के वाहक' के रूप में देखना होगा, और नीतियों को अल्पकालिक प्रदर्शन से आगे बढ़कर दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में ले जाना होगा। एक जरूरी काम यह किया जाना चाहिए कि लोक संस्कृति के मूल स्वरूप को संरक्षित करने के हर संभव प्रयास हो और उसका प्रामाणिक डॉक्यूमेंटेशन हो ताकि ज़रूरत पड़ने पर उसस संदर्भ के रूप में काम लिया जा सके। इस तरह का काम बहुत सावधानी और समझ की अपेक्षा रखता है। लेकिन यह किया ही जाना चाहिए।

आखिरकार, सवाल यह नहीं है कि लोक संस्कृति बदल रही है—परिवर्तन तो स्वाभाविक है। असली सवाल यह है कि क्या यह परिवर्तन भीतर से आ रहा है, या बाहर से बाज़ार की मांग के अनुसार थोपा जा रहा है? अगर राजस्थान की लोक संस्कृति केवल बाज़ार की शर्तों पर जीवित रहती है, तो वह जीवित दिखते हुए भी भीतर से मृत हो जाएँगी। उसे बचावना है, तो उसे उसके अपने लोगों, उसकी अपनी जमीन और उसकी अपनी संवेदना के साथ फिर से जोड़ना होगा—वरना एक दिन हम पाएँगे कि हमारे पास रंग-बिरंगे 'शो' तो हैं, लेकिन उनके पीछे की आत्मा कहीं खो चुकी है।

—अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)



प्रोफेसर अशोक कुमार

राजस्थान में बी.एड. या बैचलर ऑफ़ एजुकेशन की स्थिति वर्तमान में एक क्रांतिकारी बदलाव और गंभीर संकट के चोराहे पर खड़ी है। जहाँ एक ओर राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तहत भविष्य के शिक्षकों को और अधिक दक्ष बनाने की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर राज्य के सैकड़ों महाविद्यालय बंद होने की कगार पर हैं।

1. प्रवेश परीक्षाओं के आंकड़ों में भारी गिरावट : राजस्थान में बी.एड. या बैचलर ऑफ़ एजुकेशन करने का क्रेज पिछले दो वर्षों में आश्चर्यजनक रूप से गिरा है। राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा प्री-टीचर एजुकेशन टेस्ट (पीटीईटी) के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं।

छात्रों की घटती संख्या: वर्ष 2023 में जहाँ लगभग 5.21 लाख छात्रों ने आवेदन किया था, वहीं

2025 में यह संख्या घटकर मात्र 2.73 लाख के आसपास रह गई। 2026 के सत्र के लिए भी आवेदन प्रक्रिया (वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा संचालित) जारी है, लेकिन प्रारंभिक रज़ान बताते हैं कि अब छात्र शिक्षण को अंतिम विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

खाली सीटें: राजस्थान के लगभग 950 से अधिक बी.एड. या बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कॉलेजों में कुल सीटें करीब 1.05 लाख हैं। पिछले सत्र में कई दौर की काउंसिलिंग के बाद भी लगभग 15,000 से 20,000 सीटें खाली रह गईं, जो निजी कॉलेज संचालकों के लिए खतरे की घंटी है।

2. 700 महाविद्यालयों पर बंद होने का संकट : अक्टूबर 2025 में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्थान के लगभग 700 बी.एड. कॉलेज बंद होने की स्थिति में हैं। इसके पीछे मुख्य कारण नेशनल कार्डसिल फॉर टीचर एजुकेशन – राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के नए नियम और राज्य सरकार की नीतियां हैं:

बहु-विषयक संस्थान की शर्त: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, 2030 तक केवल वही संस्थान बी.एड. करा पाएंगे। राजस्थान टेस्ट (पीटीईटी) के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। राजस्थान के अधिकांश कॉलेज स्टैंडअलोन (केवल बी.एड. कराने वाले) हैं।

अनापत्ति प्रमाण पत्र का मुद्दा: राज्य सरकार ने नए शैक्षणिक कॉलेज खोलने या मौजूदा बी.एड. कॉलेजों को सामान्य कॉलेजों में बदलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने पर फिलहाल कड़ाई कर रखी है। यदि ये कॉलेज 2030 तक खुद को अपग्रेड नहीं करते, तो इनकी मान्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी।

3. सुप्रीम कोर्ट का फैसला: बी.एड. बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट) विवाद राजस्थान के छात्रों के लिए सबसे बड़ा झटका 11 अगस्त 2023 को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला रहा। इस फैसले ने राज्य के लाखों बी.एड. अभ्यर्थियों के सपनों को प्रभावित किया।

प्राथमिक भर्ती से बाहर: कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि बी.एड. धारक अब कक्षा 1 से 5 (लेवल 1) के शिक्षक नहीं बन पाएंगे। राजस्थान में प्राथमिक शिक्षकों के पद सबसे अधिक संख्या में आते हैं।

सीमित अवसर: अब बी.एड डिग्री केवल ग्रेड-2 (वरिष्ठ अध्यापक) और ग्रेड-3, लेवल 2, तक ही सीमित रह गई है। इस कारण छात्रों ने बी.एड. के बजाय बीएसटीसी (बेसिक स्कूल टीचिंग सर्टिफिकेट), डी.एल.एड. की ओर रुख करना शुरू कर दिया है।

4. कोर्स की अवधि में बदलाव और असमंजस : वर्तमान में राजस्थान

में तीन तरह के बी.एड मॉडल पर चर्चा हो रही है, जिससे छात्र भ्रमित हैं:—

2-वर्षीय बी.एड. : यह वर्तमान में चल रहा है, लेकिन चर्चा है कि 2030 के बाद इसे धीरे-धीरे बंद कर दिया जाएगा। 2026 के सत्र के लिए वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा इसके आवेदन ले रहा है।

4-वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम , राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 12वीं के बाद सीधे बी.एड. (बीए-बीएड और बीएससी-बीएड) को भविष्य का मानक माना जा रहा है। जोधपुर जैसे संस्थानों ने भी कोर्स शुरू कर दिया है।

1-वर्षीय बी.एड . (प्रस्तावित) : नेशनल कार्डसिल फॉर टीचर एजुकेशन ने सत्र 2026-27 से मास्टर डिग्री धारकों के लिए 1-वर्षीय बी.एड। दोबारा शुरू करने का ड्राफ्ट तैयार किया है। छात्र इस छोटे कोर्स के इंतजार में 2-वर्षीय कोर्स में प्रवेश नहीं ले रहे हैं।

5. राजस्थान में बेरोजगारी और पेपर लीक का मनोवैज्ञानिक असर राजस्थान में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षक भर्तियों (राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा और वरिष्ठ अध्यापक) में हुए पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं के समय पर न होने से युवाओं का सिस्टम से थरोसा उठा है।

आर्थिक बोझ: निजी कॉलेजों की फीस लगभग 27,000 रुपये प्रति वर्ष है, इसके अलावा डोनेशन और अन्य

खर्चें मिलाकर छात्र का बजट 1 लाख रुपये पार कर जाता है। भर्ती की अनिश्चितता को देखते हुए छात्र यह गुणिमन नहीं उठाना चाहते।

गुणवत्ता का अभाव: राजस्थान के कई कॉलेज "बिना उपस्थिति वाला" मोड पर चल रहे हैं। बिना प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के छात्र डिग्री तो ले लेते हैं, लेकिन शिक्षक भर्ती परीक्षाओं को पास नहीं कर पाते।

भविष्य की तस्वीर: आगे क्या होगा?

महाविद्यालय केवल बड़े और बहु-विषयक कॉलेज ही बचेगें। छोटे शहरों के स्टैंडअलोन कॉलेज बंद हो जाएंगे। डिजिटल टीचिंग और ब्लेंडेड लर्निंग अनिवार्य होगी। भविष्य के शिक्षकों को और टेक-टूल्स का ज्ञान होना जरूरी होगा। सरकारी नौकरियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन निजी क्षेत्र में केवल कुशल शिक्षकों की भारी मांग रहेगी।

निष्कर्ष— राजस्थान में बी.एड. का भविष्य अंधकारमय नहीं है, बल्कि यह 'परिवर्तन' के दौर में है। जो कॉलेज खुद को आधुनिक तकनीक और सरकारी मानकों के अनुसार ढाल लेंगे, वे टिके रहेंगे। छात्रों को भी यह समझना होगा कि अब केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है; उन्हें खुद को कक्षा 9-12 के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में तैयार करना होगा।

—प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

भरतपुर बना सौर ऊर्जा का उभरता मॉडल, सैकड़ों घरों का बिजली बिल शून्य

पीएम सूर्य घर व कुसुम योजना से बदली तस्वीर



संतोष कुमार मीना

राजस्थान में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित विकास की दिशा में भरतपुर जिला तेजी से नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए चलाया

जा रहा अभियान अब जमीनी स्तर पर प्रभाव दिखाने लगा है। सरकारी और निजी भवनों की छतों पर सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे न केवल बिजली बिलों में भारी कमी आई है बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी ठोस कदम उठे हैं।

21 मेगावाट रूफटॉप सोलर का लक्ष्य, तेजी से बढ़ता क्षमता : - जिले में 21 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने का महत्वाकांक्षी पक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसे 10, 5 और 6 मेगावाट के तीन चरणों में बांटकर विभिन्न एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग के चलते कार्य गति पकड़ रहा है। भरतपुर मुख्यालय के साथ नदबई, वैर, उच्चैन, बयाना, रूपवास और छौकरवाड़ा क्षेत्रों में 1928 सरकारी

भवनों की पहचान की गई है। इनमें से अब तक 20 भवनों पर 0.84 मेगावाट क्षमता के सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, जबकि 60 भवनों पर कार्य प्रगति पर है।

पीएम कुसुम योजना किसानों के लिए वरदान : - प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत भी भरतपुर में सौर ऊर्जा का विस्तार तेजी से हो रहा है। जिले में अब तक 5 सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं जिसमें बयाना के ब्रह्मदास में 2, नदबई के बरौलीछार में 1 तथा वैर के धरसोनी और पथेना में 1-1 प्लांट लगाए गए हैं। कुसुम-बी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 52 कनेक्शन जारी किए गए, जबकि 2025-26 में 19 नए कनेक्शनों की प्रक्रिया जारी है। यह योजना किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ते हुए सिंचाई लागत को कम

करने और आय बढ़ाने में सहायक बन रही है।

पीएम सूर्य घर योजना 1397 घरों में आई रोशनी :- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। जिले में अब तक 1397 घरों का बिजली बिल शून्य हो चुका है। छतों पर लगे सोलर पैनल न केवल बिजली की जरूरत पूरी कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन की संभावनाएं भी बढ़ा रहे हैं। आसान और किफायती सोलर सिस्टम

सरकार ने सोलर सिस्टम को आमजन के लिए सरल और सुलभ बनाया है। 3 किलोवाट तक के सिस्टम पर 40-60 प्रतिशत तक सब्सिडी मात्र 6 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसके तहत 1 किलोवाट पर 30

हजार रुपये, 2 किलोवाट पर 60 हजार रुपये और 3 किलोवाट या अधिक पर 78 हजार रुपये तक सब्सिडी इन प्रोत्साहनों के कारण आम लोग तेजी से सौर ऊर्जा की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

हरित भविष्य की ओर बढ़ता भरतपुर : - भरतपुर अब सौर ऊर्जा के क्षेत्र में एक मॉडल जिले के रूप में उभर रहा है। यह पहल न केवल बिजली बिलों को शून्य करने में मददगार साबित हो रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को भी नई दिशा दे रही है। आने वाले समय में भरतपुर का यह मॉडल पूरे राजस्थान के लिए प्रेरणाभूत बनेगा और हरित ऊर्जा क्रांति को नई गति देगा।

संतोष कुमार मीना
पीआरओ, भरतपुर।

श्रीगंगानगर के ग्रामीण इलाकों में तेज बारिश हुई

■ मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में बारिश के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने के चलते श्रीगंगानगर और अजमेर के क्षेत्रों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला। रविवार सुबह से ही बादल छाए रहे और कई ग्रामीण इलाकों में तेज बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही धूल भरी आंधी और उन्डी हवाओं ने वातावरण को ठंडा कर

दिया। मौसम विभाग ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में बारिश के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की संभावना है। रविवार सुबह श्रीगंगानगर,

सादुलशहर, लालगढ़ जाटान, चूनाबढ़ और आसपास के क्षेत्रों में बारिश हुई। अचानक बदले मौसम के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद मानी जा रही है।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शनिवार को न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री और अधिकतम

तापमान 35.4 डिग्री रहा, जबकि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री और अधिकतम 33 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। लगातार हो रहे बदलाव से साफ है कि मौसम में उंडक बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों का मानना ​​है कि इस बार अप्रैल महीने में भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के लगातार सक्रिय रहने से तापमान नियंत्रित रहेगा और लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है।

डीआरएम ने जोधपुर-समदड़ी रेलखंड का निरीक्षण किया

■ डीआरएम ने ट्रैक, सिग्नलिंग, लेवल क्रॉसिंग एवं परिचालन व्यवस्थायें जांची और रेलवे द्वारा निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुपम त्रिपाठी ने जोधपुर-समदड़ी रेलखंड पर गाड़ी संख्या 14887, ऋषिकेश-बाड़मेर एक्सप्रेस के लोकोमोटिव से फुलप्लेट निरीक्षण कर ट्रैक, सिग्नलिंग, लेवल क्रॉसिंग एवं परिचालन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे द्वारा निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने रेल पटरियों की गुणवत्ता, जॉइंट्स एवं फिटिंग्स की स्थिति, सिग्नलिंग सिस्टम की कार्यक्षमता एवं परिचालन प्रक्रियाओं तथा संरक्षा दिशानिर्देशों के अनुरूप संचालित हो। इसके अलावा उन्होंने ट्रेन संचालन के दौरान सतर्कता,

समयबद्धता तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान क्रू मेंबर्स के साथ संवाद कर परिचालन से जुड़ी व्यवहारिक चुनौतियों की जानकारी ली और आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर चर्चा की। इस दौरान पाई गई खामियों को तत्काल प्रभाव से दूर करने के निर्देश दिए गए।

डीआरएम ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा नियमित मॉनिटरिंग और

निरीक्षण के माध्यम से इन मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि रेल संचालन सुरक्षित, संरक्षित एवं सकार रूप से जारी रह सके। अनुपम त्रिपाठी, डीआरएम, जोधपुर मंडल का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा हमारा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जोधपुर-समदड़ी रेलखंड पर सभी सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। जहां भी कमियां पाई जाती हैं, उन्हें तुरंत दूर कर सुरक्षित एवं सुचारु रेल संचालन बनाए रखा जाता है।



पंडित अनिल शर्मा

शुक्र-मेघ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज रविवोग दिन 2:48 तक है। आज सोम प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती, मदन द्वादशी, विष्णु दमनोत्सव है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:56 तक, शुभ 9:28 से 11:00 तक, चर: 2:03 से 3:35 तक, लाभ-अमृत 3:35 से 5:27 तक।
राहुकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:39

राशिफल

सोमवार 30 मार्च, 2026

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, मघा नवम्य दिन 2:48 तक, शूल योग सायं 4:51 तक, बालव करण प्रातः 7:10 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।
ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरु-मिथुन,

शुक्र-मेघ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज रविवोग दिन 2:48 तक है। आज सोम प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती, मदन द्वादशी, विष्णु दमनोत्सव है।
श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:56 तक, शुभ 9:28 से 11:00 तक, चर: 2:03 से 3:35 तक, लाभ-अमृत 3:35 से 5:27 तक।
राहुकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:39

मेघ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा, धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटकलें हटें। कार्य बनने लगेगें। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आस अटकलें हटें। कार्य बनने लगेगें। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-सुविधाएँ बढ़ेंगी। सुख-शांति बनी रहेगी। मन में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आशासन प्राप्त होंगे। अटकलें हटें। कार्य बनने लगेगें। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटकलें हटें। कार्य बनने लगेगें। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

अजमेर : श्रद्धालुओं की ईको वैन खाई में पलटी, एक की मौत, पांच घायल

मांगलियावास के तबीजी हाइवे पर राधा स्वामी सत्संग स्थल के निकट हुआ हादसा

अजमेर/मांगलियावास, (निर्सं)। तबीजी हाइवे पर राधा स्वामी सत्संग स्थल के निकट रविवार शाम एक सड़क हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि चालक सहित पांच लोग घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार रविवार शाम करीब 5.30 बजे अजमेर से ब्यावर की ओर जा रही एक ईको वैन तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गई और सड़क से उतरकर सर्विस रोड निर्माण के लिए खोदी गई खाई में जा गिरा। खाई में गिरने के बाद वैन पास के गहरे गड्ढे से टकरा गई, जिससे उसका अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय वैन में सवार श्रद्धालु परिवार गुजरात से खादुश्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहा था। दुर्घटना में सोहनलाल, दिग्विजय, प्रिंस, पारस, चालक सत्री, गंगा और मेघा घायल हो गए। तीन बच्चों को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को तत्काल अजमेर के जवाहरलाल नेहरू



हादसे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान सोहनलाल की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशिक्षु आरपीएस डॉ. दीपेंद्र सैनी, एएसआई गोपाराम बिश्नोई सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हाइवे पेद्रोलिंग, 108 एंबुलेंस और एनएचएआई की

टीम ने भी राहत कार्य में सहयोग किया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को वैन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

ग्रामीणों ने हादसे के लिए हाइवे प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया है।

उनका कहना है कि सर्विस रोड और पुलिया निर्माण कार्य पिछले एक महीने से चल रहा है, लेकिन सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। निर्माण स्थल पर न तो चेतावनी संकेत लगाए गए हैं और न ही बैरिकेडिंग की गई है। ग्रामीणों के अनुसार इस

- घायलों में से दो की हालत गंभीर, अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया
- ईको वैन तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गई और सड़क से उतरकर सर्विस रोड निर्माण के लिए खोदी गई खाई में जा गिरी

स्थान पर पहले भी एक दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोग घायल हुए हैं। इसके बावजूद प्रशासन ने अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

उदयपुर : गोगुंदा में आबादी के पास 30 बीघा जंगल में भीषण आग लगी

रात के समय तेज हवा के चलने से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा थाना क्षेत्र के काछबा गांव स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर के सामने वाली पहाड़ी पर शनिवार रात को भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

रात के समय तेज हवा के चलने से देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 30 बीघा जंगल को अपनी चपेट में ले लिया। पहाड़ी पर सूखी घास थी,

- पहाड़ी पर सूखी घास थी, जिससे आग तेजी से आगे बढ़ गई, आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया

जिससे आग तेजी से आगे बढ़ रही थी। आग की लपटें तेजी से फैलने के कारण आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। पहाड़ी से इलाके में आबादी का रहवास होने से वहां रहने वाले लोग दशहत में हो गए।

इस बीच ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का काम शुरू किया। सरपंच प्रतिनिधि अंबालाल की सूचना पर उदयपुर से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची, जहां दमकलकर्मी ने आग पर काबू पाने के लिए पानी की बोझाें

डाली, लेकिन पहाड़ी इलाका होने से आग तक पाइप नहीं पहुंच सके। बाद में पुलिस और गोगुंदा वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची।

देर रात आग पर कंट्रोल हुआ, लेकिन घुआं सुबह तक उठता रहा है। वहां जमा हुए ग्रामीणों का कहना है कि आग बुझाने का काम शुरू कर दिया नहीं तो आग घरों तक पहुंच सकती थी और उससे काफी नुकसान हो सकता था।

आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा पकड़ा, एक आरोपी गिरफ्तार



पुलिस ने नगदी, दो मोबाइल, एलईडी व सट्टे के हिसाब की डायरी जब्त की।

निवाई, (निर्सं)। डीएसटी व पुलिस निवाई थाना क्षेत्र में आईपीएल मैच के दौरान लाखों रुपये के ऑनलाइन सट्टे के कारोबार करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिससे 22 हजार 400 रुपए, दो मोबाइल, एक एलईडी व सट्टे के हिसाब की डायरी जब्त किए हैं।

डीएसटी के उप निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के विरुद्ध अभियान को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक राजेश

कुमार मीना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल प्रसाद व पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए निवाई थाना क्षेत्र में आईपीएल 2026 के बेंगलुरु बनाम हैदराबाद मैच के दौरान लाखों रुपये के ऑनलाइन सट्टे के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए इंदिरा कॉलोनी में देर रात दबिश देकर आरोपी रवि

पारीक उर्फ जितेंद्र को गिरफ्तार किया है। जिससे 22 हजार 400 रुपये की सट्टा राशि, दो मोबाइल फोन, एक एलईडी टीवी व सट्टे के हिसाब-किताब की एक डायरी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। टीम में हैड कानि. मो शरीफ, कानि प्रधान, शिवपाल, रुकमकेच, राधामोहन, राधाकिशन व राजेश कुमार शामिल थे।

सट्टा लगाते आठ गिरफ्तार

टोंक, (निर्सं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने अलीगढ़ और सोप थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग ठिकानों पर छापामारी की कार्रवाई कर सट्टा पर्ची पर संचालित जुआ खेलते आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से 56 हजार 780 रुपए नकद एवं सट्टा हिसाब डायरी में 22 लाख के जुए का हिसाब व मोबाइल और टीवी आदि बरामद किया है।

जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि अलीगढ़ थाना क्षेत्र के पचाला में डीएसटी कार्रवाई कर दो व्यक्तियों को सट्टा पर्ची पर जुआ खिलाते हुए मौके से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 47 हजार 500 कैश और मौके से बरामद डायरी में 6 लाख का हिसाब मिला। दोनों आरोपी पचाला निवासी सीताराम पुत्र हनुमान मीणा, इकबाल पुत्र शहाबुद्दीन खान को गिरफ्तार किया है। वहीं सोप थाना इलाके में कोटडी मोड़ पर टीम द्वारा छापामारी कर 6 व्यक्तियों के कब्जे से 9200 जुआ राशि जब्त की है। डायरियों में 16 लाख रुपए का हिसाब किताब मिला है। टीम ने नंदकिशोर, यासीन, धारा सिंह, प्रकाश बैरवा, चेतन मीणा एवं देशराज मीणा को गिरफ्तार किया है।

नोखा : राजस्थान रोडवेज बस में यात्रियों को फर्जी टिकट थमाये

विजिलेंस चेकिंग के दौरान बस में 10 यात्री फर्जी टिकट पर सफर करते मिले

नोखा, (निर्सं)। क्षेत्र में राजस्थान रोडवेज की बस में फर्जी टिकट से यात्रियों को यात्रा करवाने का मामला सामने आया है। विजिलेंस चेकिंग के दौरान 10 यात्री फर्जी टिकट पर सफर करते मिले। रोडवेज विभाग की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजिलेंस टीम को देखकर बस सारथी मशीन और किराया लेकर फरार हो गया। बीकानेर रोडवेज की मुख्य प्रबंधक इंदिरा गोदारा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मुख्य प्रबंधक इंदिरा गोदारा ने बताया कि 28 मार्च को उन्हें सूचना मिली थी कि बस सारथी अंकित पुत्र सुभाष जयानी यात्रियों से किराया लेकर फर्जी टिकट जारी कर रहा है। इस सूचना के बाद विजिलेंस टीम ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि जयपुर के विद्याधर नगर डिपो से संचालित बस संख्या आरजे 14 पीएच 0293, 27 मार्च को जयपुर से अजमेर, नागौर, नोखा होते हुए बीकानेर

- विजिलेंस टीम को देखकर बस सारथी मशीन और किराया लेकर फरार हो गया, थाने में रिपोर्ट दर्ज
- फर्जी टिकट पर दो यात्री अजमेर से बीकानेर, छह यात्री नागौर से बीकानेर और दो यात्री मेड़ता से बीकानेर जा रहे थे

आ रही थी। इसी दौरान बस सारथी ने यात्रियों से किराया लेकर फर्जी टिकट जारी किए। विजिलेंस टीम ने बुद्धों की ढाणी के पास बस को रुकवाकर जांच की। इसमें 10 यात्री फर्जी टिकट पर यात्रा करते पाए गए। इनमें दो यात्री अजमेर से बीकानेर, छह यात्री नागौर से बीकानेर और दो यात्री मेड़ता से बीकानेर जा रहे थे। सभी यात्रियों से पूरा किराया वसूला गया था, लेकिन उन्हें फर्जी टिकट दिए गए थे। जांच के दौरान अधिकारियों ने बस सारथी अंकित से पूछताछ की। वह संतोषभनक जवाब नहीं दे पाया और रोडवेज को आईटीएम मशीन तथा किराए

की राशि लेकर मौके से फरार हो गया। बाद में विभाग ने अन्य डिपो से जानकारी जुटाई, जिसमें मेड़ता और नोखा रेलवे स्टेशन से जारी टिकट भी फर्जी पाए गए। नागौर के मुख्य प्रबंधक ने भी 28 मार्च को जांच में इन टिकटों के फर्जी होने की पुष्टि की।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अलाय गांव निवासी बस सारथी अंकित ने फर्जी टिकट जारी कर सरकारी राजस्व का गबन किया। उसने विभाग द्वारा दी गई मशीन से सही तरीके से टिकट जारी नहीं किए। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हाइवे पर दुर्घटनाग्रस्त कार से एक क्विंटल डोडा-चूरा जब्त

भीलवाड़ा, (निर्सं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने नेशनल हाइवे 48 पर एक संदिग्ध हंडई वरना कार से 101 किलो अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार डीएसटी के कांस्टेबल रमेश को मुखबिर् से सूचना मिली कि हमीरगढ़ से मंडोल की ओर जा रही एक दिल्ली पार्सिंग वरना कार में भारी मात्रा में मादक पदार्थ ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुर थाना पुलिस और डीएसटी ने घेराबंदी की। पुलिस को देख तस्कर ने कार की रफ्तार बढ़ा दी, जिससे कार अनियंत्रित होकर हाथी भाटा आश्रम के पास हाइवे के डिवाइडर से जा टकराई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे कार्यवाहक थानाधिकारी आयुष श्रोत्रिय और उनकी टीम ने क्षतिग्रस्त कार की तलाशी ली। कार के अंदर प्लास्टिक के कट्टों में भरा 101 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा पाया गया। पुलिस ने मौके से आरोपी हरदेव सिंह

- पुलिस ने मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया

(39) पुत्र मानसिंह, निवासी मुबारिकपुर (अलवर) को गिरफ्तार कर लिया। कार में अवैध परिवहन के लिए कोई लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ और तस्करों में प्रयुक्त वरना कार को जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

अफीम की अवैध खेती पकड़ी, एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निर्सं)। जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने एक बड़ी कार्रवाई की है। आसीद तहसील के झालारा गांव

खेत से लौट रहे पिता-पुत्र पर लैपर्ड ने हमला किया

ग्रामीणों के मौके पर पहुंचकर शोर मचाने से लैपर्ड भाग गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गिवां ब्लॉक के खजूरी गांव में शनिवार शाम को खेत के पास से बकरियां लेकर घर लौट रहे पिता-पुत्र पर लैपर्ड ने हमला कर दिया। शोर मचाने पर ग्रामीणों के मौके पर पहुंचने पर लैपर्ड भाग गया। घायल पिता-पुत्र को टीडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार दोनों पिता-पुत्र खेत के पास से बकरियां लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान नाले के पास झाड़ियों में छिपे लैपर्ड ने पीछे से सवजी (58) पर हमला कर दिया। पीछे आ रहे बेटे कमलेश (20) के चिल्लाने पर

- बकरियां चराकर लौट रहे थे, तभी झाड़ियों छिपे लैपर्ड ने हमला कर दिया

लैपर्ड उस पर भी लपका और हमला कर दिया। इस बीच पिता-पुत्र ने अपनी जान बचाने के लिए जोर-जोर से शोर मचाया तो वहां खेतों और पास के मकानों में रहने वाले लोग भागकर आए। उन्होंने लैपर्ड को देखा तो उन्होंने भी शोर मचाया। लोगों को देखकर लैपर्ड दोनों को लहूलुहान स्थिति में वहीं छोड़कर झाड़ियों में होते हुए जंगल की तरफ भाग गया।

लैपर्ड के जाने के बाद ग्रामीण दूर से भाग कर दोनों घायलों के पास पहुंचे और वहां से दोनों को गांव के अंदर से सड़क पर लेकर आए और इस बीच एंबुलेंस को बुला लिया गया। लैपर्ड के हमले से पिता के हाथ और सोने में तो बेटे के हाथ पर चोट आई। हाइवे से दोनों को टीडी के 108 एंबुलेंस का नर्सिंग स्टाफ प्रकाश सालवी और कांतिलाल रोट टीडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार गांव में पहली बार लैपर्ड के हमले की घटना हुई और पिता और पुत्र की हालत देखकर गांव वालों में दहशत का माहौल है।

गेहूं से भरा ट्रैलर पलटा, चालक घायल



दौसा पुलिया के घुमाव पर ट्रैलर संतुलन खोकर पलट गया, जिससे गेहूं की बोरिया सड़क पर फैल गईं।

मनोहरपुर, (निर्सं)। थाना इलाके के दौसा पुलिया के घुमाव पर गेहूं से भरा एक ट्रैलर अचानक संतुलन खोकर पलट गया। जिससे ट्रैलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया।

थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गुजरात नंबर एक ट्रैलर एमपी से गेहूं

- मनोहरपुर थाना इलाके के दौसा पुलिया के घुमाव पर हुआ हादसा

भरकर कोटपुतली की तरफ जा रहा था। इस दौरान दौसा पुलिया के घुमाव पर अचानक संतुलन खोकर पलट गया।

जिससे गेहूं की बोरिया सड़क पर फैल गईं। ट्रैलर का चालक धोलूराम पुत्र श्योपाल उम्र 30 साल गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की सूचना पाकर थाना पुलिस के एएसआई जयराम यादव मय जाता मौके पर पहुंचे और घायल चालक को इलाज के लिए राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजाया। उसका उपचार किया का रहा है।

सरवाड़ : दाल फैक्टरी में भीषण आग लगने से लाखों का नुकसान

आग से बड़ी मात्रा में दाल, मशीनरी और अन्य सामग्री जल गईं

सरवाड़, (निर्सं)। रीको एरिया में स्थित अरावली इंडस्ट्रीज की दाल फैक्टरी में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। पुलिस गश्त के दौरान फैक्टरी से उठता धुआं और आग की लपटें देख तुरंत

- रीको एरिया में अरावली इंडस्ट्रीज में आग लग गई थी, बड़ा हादसा टला

अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। एएसआई नारायण लाल की तत्परता से पांच दमकल वाहनों को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ी जनहानि टल गई। फैक्टरी मालिक के अनुसार आग में बड़ी मात्रा में दाल, मशीनरी और अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का



दमकल वाहनों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी

हुई है। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए थे, लेकिन

प्रशासन और दमकल विभाग की सतर्कता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

50 वर्षीय व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डाल आग लगाई

रामगंजमंडी, (निर्सं)। सुक्रेत थाना क्षेत्र के जुल्मी गांव में एक 50 वर्षीय व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को तुरंत झालावाड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार घायल कैलाश अपनी बुआ के निधन की सूचना पर गांव आया था और वह ड्राइवर का

काम करता है। घटना के समय उसके शराब के नशे में होने की भी बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि अज्ञात कारणों के चलते उसने वाहन से पेट्रोल निकालकर खुद पर डाल लिया और आग लगा ली। मौके पर मौजूद परिजनों और आसपास के लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान			
No.-F-2(01)/Acct/Contract/2025-26/302-304		Date: 19-03-2026	
ई-निविदा सूचना संख्या : 90/2025-26			
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिक्टेट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र मे अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-टेंडरिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :-			
निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रुपये 368.69 लाख (08 कार्य)	
ऑनलाइन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	24-03-2026 को प्रातः 10.00 बजे से 09-04-2026 को सांयः 6.00 बजे तक	
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथि	:	24-03-2026 को प्रातः 10.00 बजे से 09-04-2026 को सांयः 6.00 बजे तक	
ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि	:	10-04-2026 को प्रातः 11.00 बजे	
विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.raajasthan.gov.in/uitdaipur , www.eproc.raajasthan.gov.in व www.sppp.raajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।			
UBN :		ITU2526WSOB00495 TO ITU2526WSOB00502	
		अधिसूचना अभियन्ता-चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण	
राज.सं.बाद / सी / 25 / 23456			

‘परिश्रम से पद मिलता है और सेवा भाव से आमजन के हृदय में स्थान’

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नव नियुक्त लोक सेवक जनता की समस्याओं को सुने, गहराई से समझे और पूरी तत्परता से सुलझाएं। यही मंत्र एक सफल, सम्मानित और लोकप्रिय अधिकारी की सच्ची पहचान है। जिस विभाग में जाएं, वहां की जमीनी हकीकत को ध्यान से समझें और समाधान की दिशा में सही कदम बढ़ाएं। जनता की हर शिकायत और आवेदन का निर्धारित समय-सीमा में समाधान हो। यह लोक सेवकों का प्रमुख दायित्व भी है। शर्मा रविवार को बिडला सभागार में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिश्रम वह सीढ़ी है, जो पद तक तो ले जाती है किंतु सेवाभाव वह नींव है, जो लोक सेवक को आमजन के दिलों में सदा के लिए स्थाई बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सबसे पहले पेयजल व सिंचाई की आवश्यकता की पूर्ति के लिए परियोजनाओं पर काम प्रारंभ किया गया, जिससे आमजन, किसान और उद्योगों की जल आवश्यकता की पूर्ति की जा सके। इसी क्रम में राम जलसेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधीकैनाल व गंगनहर, देवास परियोजना जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स पर निरंतर काम किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि ऊर्जा की दूसरी बड़ी आवश्यकता की पूर्ति के लिए हमारी सरकार ने केन्द्र सरकार के साथ 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू किए, जिन पर काम हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बिडला सभागार में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों से संवाद किया।

से काम किया जा रहा है, जिससे किसान को दिन में और आमजन व उद्योगों को भी भरपूर बिजली मिलेगी। फिलहाल 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे को पूरा करने के क्रम में अब तक 1.25 लाख से अधिक पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, 1.25 लाख पदों पर भर्ती का कैलेण्डर भी जारी किया है।

उन्होंने कहा कि युवा नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि देने वाला बने, इसके लिए युवा नीति जारी की गई है। वहीं, राईजिंग राजस्थान के एमओयू के धरातल पर उतरने से लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, उद्योग, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा और

इन्फ्रास्ट्रक्चर हर क्षेत्र में युवा अधिकारियों की सोच, नवाचार और असीमित ऊर्जा की जरूरत है।

संवाद कार्यक्रम में कुशल चौधरी, हरकंवर माली, राजश्री पारीक, मुकेश कीर, नेहा जैन और आनन्द पटेल ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के सफर और व्यक्तिगत अनुभव मुख्यमंत्री के साथ साझा किए। प्रदेश में पेपरलोक पर लगाम लगाने और समय से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर नियुक्ति देने के लिए सभी नवनियुक्त लोकसेवकों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में राज्य सरकार प्रदेश को कृषि क्षेत्र में अग्रणी, औद्योगिक निवेश का केन्द्र, हरित ऊर्जा एवं पर्यटन का

- जनता की समस्याओं को गहराई से सुनकर तत्परता से सुलझाएं : सीएम
- प्रदेश में पानी, ऊर्जा और रोजगार के क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्य : भजनलाल शर्मा
- पेपरलीक पर लगाम लगाने और समय सीमा में भर्ती के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार
- विभिन्न सेवाओं के नवनियुक्त लोक सेवकों ने मुख्यमंत्री से साझा किए अनुभव

वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में पूर्णप्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने संवाद कार्यक्रम में नवनियुक्त लोक सेवकों को सुशासन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, महानिदेशकहरिशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, शासन सचिव कार्मिक अर्चना सिंह सहित राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2023 के चयनित लोक सेवक उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने किया सांगानेर सीईटीपी और द्रव्यवती क्षेत्र का निरीक्षण

प्रदूषण नियंत्रण मंडल को दोषी उद्योगों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण किया।

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने सांगानेर एनवायरो प्रोजेक्ट डेवलपमेंट को ब्राह्मणों की ग्वार में प्रस्तावित पॉपिंग स्टेशन का निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि शेष 134 उद्योगों को सीईटीपी से जोड़ा जा सके। उन्होंने सीईटीपी संचालन में आ रही तकनीकी

खामियों के समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को प्रभावी कदम उठाने को कहा, ताकि द्रव्यवती नदी में प्रदूषित जल प्रवाह की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। साथ ही सीईटीपी से जुड़े सभी वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों को मंडल से अनिवार्य अनुमति लेकर ही संचालन करने के निर्देश दिए गए।

सांगानेर एनवायरो प्रोजेक्ट डेवलपमेंट के निदेशक प्रवीण शाह ने बताया कि 12.3 एमएलडी क्षमता वाले सीईटीपी से वर्तमान में 892 में से 758 वस्त्र प्रसंस्करण उद्योग जुड़े हैं, जबकि शेष उद्योग पॉपिंग स्टेशन निर्माण के बाद जोड़े जाएंगे। यह निरीक्षण 28 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में किया गया। इस दौरान राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव शुरू



सांसद मंजू शर्मा और विधायक कालीचरण सराफ ने वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन पर जोधपुर-दिल्ली कैट वंदे भारत एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव रविवार से शुरू हो गया। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा और विधायक कालीचरण सराफ ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा

मितल के अनुसार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जोधपुर-दिल्ली कैट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में छह दिन) का गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर अस्थायी रूप से ठहराव दिया गया है। निर्धारित समयानुसार गाडी संख्या 26481 जोधपुर-दिल्ली कैट वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 09:34 बजे गांधीनगर

जयपुर पहुंचेगी और 09:36 बजे प्रस्थान करेगी। वहीं गाडी संख्या 26482 दिल्ली कैट-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस शाम 18:37 बजे आगमन और 18:39 बजे प्रस्थान करेगी। कार्यक्रम में मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. जगदीश कुमार, रेलवे अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

चालान काटने पर परिवहन अधिकारी से हाथापाई

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में एक निजी ट्रेवल्स एजेंसी के संचालक को परिवहन विभाग की कार्रवाई इतनी नागवार गुजरी की उसने हाईवे पर बस लगाकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया और आरटीओ इंस्पेक्टर से हाथापाई कर दी। ट्रेवल्स एजेंसी संचालक ने अपना पॉलिटेकल पावर का हवाला देते हुए परिवहन विभाग के अधिकारी को समर्थन देने की धमकी दी। जिसके बाद आरटीओ इंस्पेक्टर ने थाने पहुंच ट्रेवल्स एजेंसी संचालक के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि आरटीओ जयपुर-फस्ट देवेन्द्र सिंह (37) ने मामला दर्ज कराया है कि 27 मार्च की रात उडन दस्ते पर जवानों के साथ वह ड्यूटी पर तैनात थे। रात करीब 10 बजे ट्रांसपोर्ट नगर के रोटी सर्किल पर उडनदस्ते की ओर से वाहनों की चौकिका की जा रही थी। जयपुर से ऋषिकेश जा रही रिकू ट्रेवल्स की सवारियों से भरी बस को चौकिक के लिए रोका गया। बस रोकते ही उडनदस्ते पर तैनात स्टाफ से डाइवर अरुण सिंह और उसके साथी दिनेश ने गाली-गलौज कर बदसलूकी की। दोनों आरोपियों की ओर से धमकाकर चालान कार्रवाई करने से रोका।

जयपुर एयरपोर्ट पर ‘उडान यात्री कैफे’ शुरू

जयपुर । जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए ‘उडान यात्री कैफे’ की शुरुआत की गई है, जहां मात्र 10 रुपये में रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किजरापुर ने रविवार को इसका वचुअल उद्घाटन किया।

एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के ग्री-चेक-इन प्रस्थान क्षेत्र में शुरू किए गए इस कैफे में यात्रियों को पानी, चाय, कॉफी, स्नैक्स सहित अन्य खाद्य पदार्थ किराफयती दरों पर उपलब्ध होंगे। इस पहल का उद्देश्य हवाई यात्रा को आम और मध्यम वर्ग के लिए अधिक सुलभ और किराफायती बनाना है।केंद्रीय मंत्री ने कहा

डैशबोर्ड को स्कॉच गोल्ड अवार्ड-2025

जयपुर । राज्य के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा विकसित फूड एवं न्यूट्रिशन सिस्कोरिटी एनालिसिस डैशबोर्ड को प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 28 मार्च, 2025 को नई दिल्ली स्थित नेशनल हैबिटेट सेंटर में आयोजित स्कॉच समिट के दौरान प्रदान किया गया। राज्य की ओर से यह पुरस्कार डॉ. प्रवीण कुमार, सहायक निदेशक, एस.डी.जी. की ऑर्डिनेशन एंड एक्सीलेंरेशन सेंटर ने समारोह में ग्रहण किया।

यह डैशबोर्ड राज्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा की स्थिति का जिलेवार आकलन प्रस्तुत करता है। विश्व स्तर पर स्थापित मानकों के आधार पर तैयार यह प्लेटफॉर्म नीति-निर्माताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सटीक एवं विस्तृत विश्लेषण उपलब्ध करता है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। उल्लेखनीय है कि इस डैशबोर्ड का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्ष 2024 में किया गया था। यह उपलब्धि राज्य के डेटा-आधारित सुशासन एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

■ यात्रियों को मात्र 10 रुपए में मिलेगा रिफ्रेशमेंट

कि ‘उडान यात्री कैफे’ सरकार की उस सोच का हिस्सा है, जिसके तहत हवाई यात्रा को आसान और सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किराफयती दरों पर आवश्यक खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराकर यह पहल यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करेगी। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार यह पहल ‘उडान’ योजना को मजबूती देने के साथ ही यात्रियों को बेहतर सुविधाएं

उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एयरपोर्ट सेवाएं अधिक समावेशी बनेंगी। उद्घाटन के दौरान मुख्य हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारी नवीन भगत, इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी सैरम सरत कुमार, सीआईएसएफ के उप कमांडेंट देवराज और मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी अनिमेष भट्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट राज्य का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। वित्त वर्ष 2024-25 में यहां 60 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जबकि प्रतिदिन करीब 120 उड़ानों का संचालन होता है।

प्रधानमंत्री के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सुना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में जयपुर के किसान मुरलीधर के जीवन में सोलर पम्प से आए सकारात्मक बदलाव का जिक्र किया

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ कार्यक्रम की 132वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जमवारामगढ़ में पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। इस संस्करण में प्रधानमंत्री ने सोलर पम्प से आए सकारात्मक बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि जयपुर के किसान मुरलीधर पहले खेती के लिए डीजल पम्प पर निर्भर थे, जो काफी महंगा पड़ता था। अब उन्होंने सोलर पम्प अपनाकर ईंधन की चिंता से मुक्ति पाई है और समय पर सिंचाई होने से उनकी सालाना आय भी बढ़ गई है।

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वित्त एक दशक से अधिक समय में देश का सामर्थ्य बढ़ा है। फिलहाल मध्य पूर्व क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रम से उत्पन्न वैश्विक संकट के बीच देश की ईंधन आवश्यकताओं को सुरक्षित एवं संतुलित बनाने के लिए जरूरी कदम भी उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश मौजूदा परिस्थितियों



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जमवारामगढ़ स्थित पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आमजन के साथ प्रधानमंत्री मोदी के ‘मन की बात ’’ कार्यक्रम को सुना।

का एकजुटता से मुकाबला कर रहा है। सभी आमजन जागरूक रहें और अफवाहों के बहकावे में ना आएं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पहले दिन से ही जनता की सेवा के संकल्प पर कार्य करना शुरू कर दिया था। अब तक पेश किए गए बजटों में गरीब, किसान, महिला और मजदूर सहित सभी वर्गों एवं सभी विधानसभा क्षेत्रों को उनकी विभिन्न

विकास सीमातें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि गत सरकार में युवाओं के हितों पर कुठाराघात हुआ, लेकिन हमने पेपरलीक पर लगाम लगाकर भर्ती परीक्षाओं को पूर्ण पारदर्शिता से आयोजित किया है। इस अवसर पर सांसद राव राजेन्द्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल मोना, कुलदीप धनकड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग व जैविक खेती को बढ़ावा देने पर चर्चा

जयपुर । खरीफ-2026 के दौरान उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में हाईब्रिड मॉड में राज्य स्तरीय बैठक ली।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। इसमें यूरिया 3.76 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 83 हजार मीट्रिक टन, एनपीके 66 हजार मीट्रिक टन एवं एसएसपी 1.97 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। केन्द्र आगामी खरीफ के लिए राज्य को 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.10 लाख मीट्रिक टन डीएपी , 4 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 1.50 लाख मीट्रिक टन एनपीके आपूर्ति करेगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटेश का



कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में राज्य स्तरीय बैठक ली।

संतुलित अनुपात में उपयोग करने के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाए। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के विकल्प जैसे हरी खाद, कंपोस्ट, देसी खाद, जैविक उर्वरक, फसल चक्र में दलहनी फसलों के उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन, प्राकृतिक व जैविक खेती की विधियों पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होगी

बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है, जिसे रोकना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में कृषि आयुक्त चिन्मयी गोपाल, निदेशक हिरेन्द्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस.शेखवत,

अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित सभी आईसीएआर संस्थानों के प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक, ग्रण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि, संयुक्त निदेशक कृषि एवं जिला परिषदों के प्रतिनिधियों ने वी सी के माध्यम से भाग लिया।

6 5 कार्टन अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस के “ऑपरेशन एंटी वेनम” अभियान के तहत जमवारामगढ़ पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा निर्मित शराब से भरा कंटेनर पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 65 कार्टन अंग्रेजी शराब जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद मोघा ने बताया कि जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के निर्देश पर 15 मार्च से 31 मार्च 2026 तक ड्राइव व नशा तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यह सफलता हासिल हुई है। गत 28 मार्च को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह और



वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ रामकिशन विशनोई के सुपरविजन में थानाधिकारी भगवान सहाय के नेतृत्व में टीम ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दूला टोल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान अलवर-दौसा की ओर से आ रहा एक कंटेनर पुलिस को देखकर तेज गति से भागने

लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया। पृष्ठताछ में चालक ने अपना नाम शाहरुख खान (28) निवासी थोरा, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) बताया। तलाशी के दौरान कंटेनर से 65 कार्टन हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद हुई। आरोपी वैध लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका, जिस पर पुलिस ने एक्सआइज एक्ट की धारा में गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की यह खेप कहाँ से लाई जा रही थी और किन स्थानों पर सल्लाई की जानी थी। इस कार्रवाई को जयपुर ग्रामीण पुलिस की नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

हार्ट-लंग ट्रांसप्लांट ओपीडी का उद्घाटन

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि चिकित्सा केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि मानव जीवन के संरक्षण और संवर्धन का संवेदनशील दायित्व है। विधानसभाध्यक्ष देवनानी रविवार को जयपुर के मानसरोवर में प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर हार्ट और लंग ट्रांसप्लांट ओपीडी के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि जयपुर में अत्याधुनिक हार्ट फेल्योर क्लीनिक की स्थापना प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे गंभीर हृदय रोगों के मरीजों को अब स्थानीय स्तर पर ही विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने इस पहल को चिकित्सा क्षेत्र में नई दिशा का उद्घाटन बताते हुए कहा कि इससे राजस्थान के मरीजों को बड़े महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

